

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

“भारतीय भाषा परिवार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता : 21वीं सदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ”

30-31 जनवरी, 2026

(ऑनलाइन एवं ऑफलाइन)

आयोजक

स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर (उत्तर प्रदेश)

एवं

भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली

सम्मेलन के विषय में :

भारतीय भाषाओं के विकास और संवर्धन के लिए विभिन्न प्रयास किए गए हैं और आज भी यह प्रयास कई दृष्टियों को केंद्र में रखकर किया जा रहा है। 21वीं सदी का यह दौर विज्ञान को केंद्र में रखकर नई-नई तकनीकी और पठन-पाठन से संबंधित उपकरण उपलब्ध करा रहा है। इसी तकनीकी का प्रतिफल है कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' आज हमारे पठन-पाठन की दुनिया में भी प्रवेश कर गया है। अस्तु, यह दो दिवसीय सम्मेलन “भारतीय भाषा परिवार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: 21वीं सदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ” का उद्देश्य भाषाविदों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नीति-विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना है, ताकि वे दो नवीन ग्रंथों- “भारतीय भाषा परिवार : ए न्यू फ्रेमवर्क इन लिंक्विस्टिक्स” और “क्लेक्टेड स्टडीज़ ऑन भारतीय भाषा परिवार : परस्पेक्टिव्स एंड होराइज़न्स” को आलोकित करते हुए भारतीय भाषाओं एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिधि में विचार-विनिमय कर सकें। वस्तुतः उक्त ग्रंथ भारतीय भाषाओं के अध्ययन में एक नए आयाम का प्रस्ताव रखते हैं, जो औपनिवेशिक भाषा-वैज्ञानिक वर्गीकरणों से आगे बढ़ते हुए भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत की पारस्परिकता को रेखांकित करते हैं।

यह सम्मेलन इन दोनों पुस्तकों के विचारों, कार्य-प्रणालियों और उनके भाषा-विज्ञान, शिक्षा, अनुवाद तथा डिजिटल नवाचार पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा के लिए एक अकादमिक मंच के रूप में कार्य करेगा। इस आयोजन में भाग लेने वाले प्रतिभागी विभिन्न सत्रों, पैनल-चर्चाओं और इंटरैक्टिव समीक्षाओं के माध्यम से प्रस्तावित “भारतीय भाषा परिवार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: 21वीं सदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ” की रूपरेखा का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे। वे यह भी समझ सकेंगे कि यह रूपरेखा भाषाई विचार के उपनिवेश मुक्तिकरण, मातृभाषा-आधारित शिक्षा के संवर्धन और भारत की बहुभाषिक एकता को सुदृढ़ करने में कितनी प्रासंगिक है। इसके अलावा यह भी स्थापित हो सकेगा कि भारतीय भाषा परिवार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच का संबंध केवल तकनीकी संवाद नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक और शैक्षणिक भविष्य का निर्धारक भी है। 21वीं सदी, भारतीय भाषाओं को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का अवसर लेकर आई है- बशर्ते कि इन भाषाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के प्रयास निरंतर और वैज्ञानिक दृष्टि से किए जाएँ।

भारतीय भाषा समिति :

इस समिति का गठन शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के द्वारा वर्ष 2021 में किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में उल्लिखित भारतीय भाषा विषयक प्रावधानों को धरातल पर उतारने तथा उनके प्रोत्साहन एवं संवर्धन के निमित्त हुआ है। इसके अध्यक्ष सुप्रसिद्ध भाषाविद् श्री चमू कृष्ण शास्त्री हैं।

संस्था के बारे में :

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर (सीएसजेएमयू), उत्तर प्रदेश में स्थित एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 1966 ई० में हुई थी और जिसे पहले कानपुर विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था। कानपुर विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका नाम महान समाज सुधारक छत्रपति शाहू जी महाराज के नाम पर रखा गया है, जिन्हें ‘राजर्षि शाहू’ के नाम से भी जाना जाता है। विश्वविद्यालय को वर्तमान में NAAC द्वारा A++ रेटिंग प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है और उत्तर प्रदेश के सात जिलों में लगभग 600 महाविद्यालय इससे संबद्ध हैं। इसे ‘विश्वविद्यालय अनुदान आयोग’ द्वारा ‘श्रेणी-1 विश्वविद्यालय’ के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। हाल ही में इस विश्वविद्यालय ने QS एशिया रैंकिंग 2025 में प्रमुखता से अपना स्थान दर्ज कराया है। विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र को अधिकतम शैक्षिक लाभ प्रदान करने, उनकी पूर्ण क्षमता को विकसित करने और उन्हें जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाषा संकाय :

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में स्थापित भाषा संकाय, विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण इकाई है, जिसकी स्थापना वर्ष 1981 में हुई थी। इसके अंतर्गत मुख्यतः अंग्रेजी भाषा का पठन-पाठन किया जाता था। इसी क्रम में हिन्दी और संस्कृत विभाग की भी स्थापना वर्ष 2023 में हुई। इसके अलावा भाषा संकाय में ‘जर्मन’, ‘फ्रेंच’ (विदेशी भाषा), ‘सहज बोध पाणिनी व्याकरण’ और ‘जैन शोध-पीठ’ में सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित किया जाता है। अभी हाल ही में ‘श्रीगुरु तेगबहादुर साहिब शोध-पीठ’ की भी स्थापना की गई है। ये सारे बहुभाषाई विभाग और शोध-पीठ अकादमिक रूप से ‘भाषा संकाय’ को समृद्ध और वैविध्यपूर्ण बनाते हैं।



शोध-पत्र हेतु प्रस्तावित विषय-

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय भाषाओं का भविष्य ।
2. मानवीय संवेदना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ।
3. भारतीय भाषा और भारतीय चिंतन परंपरा ।
4. भारतीय भाषा में अंतर्निहित एकता ।
5. मातृभाषा में शिक्षा की आवश्यकता ।
6. शिक्षा और अनुसंधान में भारतीय भाषा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ।
7. भारतीय भाषाएँ और उपनिवेशवाद ।
8. भारतीय भाषा एवं वैश्वीकरण ।
9. भारतीय भाषा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता : एक नवीन सर्जना ।
10. भारतीय भाषा और भारतीयता ।
11. भारतीय भाषा और वैश्विकता ।
12. भारतीय भाषाओं में लोक साहित्य ।
13. विविध लोक कलाएँ और भारतीय साहित्य ।
14. भारतीय भाषा एवं क्षेत्रीय बोलियाँ ।
15. भारतीय भाषा एवं लोक साहित्य में मानव मूल्य ।

पंजीयन शुल्क :

अध्यापक – रुपये 1000/-

शोधार्थी – रुपये 500/-

विद्यार्थी – निःशुल्क

नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके या दिए गए लिंक पर सीधे जा करके शुल्क जमा किया जा सकता है ।



लिंक <https://p.ppsl.io/PYTMPS/k2Vy8k>

शोध लेख एवं सारांशिका के लिए निर्देश:-

कृपया शोध-सारांशिका अधिकतम 500 शब्दों में 'यूनिफाइड मंगल फॉन्ट 11' में 15 जनवरी 2026 सायं 5 बजे तक एवं शोध-पत्र अधिकतम 2000 शब्दों में 'यूनिफाइड मंगल फॉन्ट 11' में अधोलिखित ई-मेल पर 22 जनवरी 2026 सायं 5 बजे तक भेजें।
लेख हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं में आमंत्रित हैं।
चयनित लेखों को ISBN सहित पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित किया जाएगा।
शोध सारांशिका एवं पंजीयन शुल्क का विवरण इस ई-मेल पर या इस मोबाइल नं. 9792004004 पर व्हाट्सएप करें।
ई मेल पता – events.sol.csjmu@gmail.com

Mobile no. –

Dr. Sarvesh Mani Tripathi - 9462938849

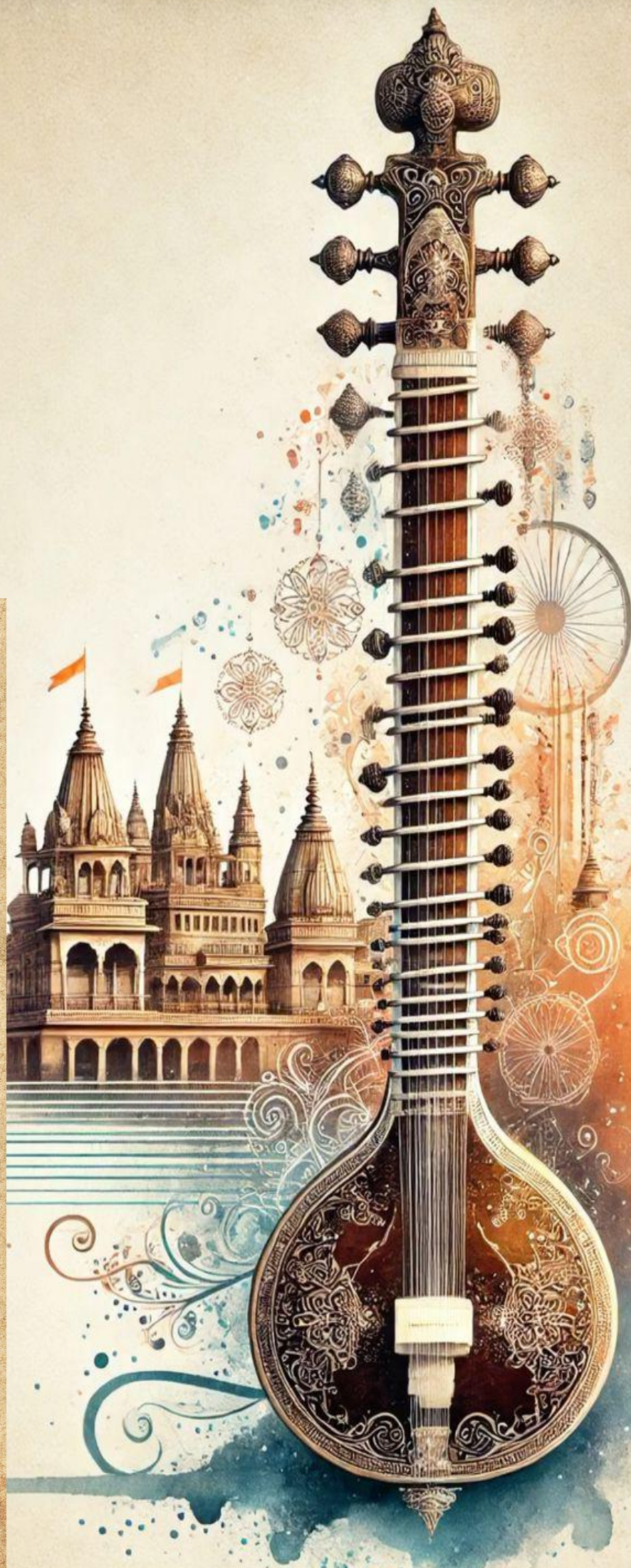
Dr. Laxman Kumar - 9454740577

Dr. Shriprakash - 9307012707

Dr. Preeti Vardhan Dubey - 9792004004

Dr. Sumit Kumar Chaudhary - 9971707114

REGISTRATION FORM





प्रेरणास्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति
उत्तर प्रदेश



मुख्य संरक्षक

प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,
कानपुर



संरक्षक

प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी
प्रति-कुलपति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,
कानपुर



संरक्षक

श्री राकेश कुमार मिश्र
कुलसचिव
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,
कानपुर

समन्वयक
डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी
निदेशक- स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़

संयोजक:
डॉ. श्रीप्रकाश
प्रभारी-हिन्दी विभाग

सह-समन्वयक
डॉ. अंकित त्रिवेदी
उप-निदेशक- स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़

सह-संयोजक:
डॉ. सुमित कुमार चौधरी
सहायक आचार्य-हिन्दी

सह-समन्वयक
डॉ. सोनाली मौर्या
सहायक आचार्या-अंग्रेजी विभाग

सह-संयोजक:
डॉ. अंजनी कुमार उपाध्याय
सहायक आचार्य-हिन्दी



आयोजक समिति

डॉ. लक्ष्मण कुमार
डॉ. ऋचा शुक्ला
डॉ. दीक्षा शुक्ला
डॉ. शालिनी शुक्ला
मिस. सजल आरिफ़

संपादक मण्डल

डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा
डॉ. सुमना विश्वास
डॉ. पूजा अग्रवाल
डॉ. प्रीति वर्धन दुबे
डॉ. अभिजित साहा

मार्गदर्शक मण्डल

प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी (निदेशक, महाविद्यालय विकास परिषद)
प्रो. सुधांशु पाण्ड्या (निदेशक, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट)
प्रो. बृष्टि मित्रा (डीन एकेडमिक्स)
डॉ. शशिकांत त्रिपाठी (मुख्य कुलानुशासक)
डॉ. रश्मि गोरे (निदेशक, शिक्षक शिक्षा संकाय)
डॉ. अमित कुमार (सह आचार्य, कला संकाय)
डॉ. बद्रीनारायण मिश्र (सहा० आचार्य, शिक्षक शिक्षा संकाय)
डॉ. दिवाकर अवस्थी (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता विभाग/मीडिया प्रभारी)

सलाहकार समिति :

1. प्रो. सुशील कुमार शर्मा, अंग्रेजी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
2. प्रो. कृष्णा शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. प्रो. पवन अग्रवाल, अध्यक्ष- हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
4. प्रो. शैलेन्द्र कुमार सिंह, अंग्रेजी विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
5. प्रो. द्विजेन शर्मा, अंग्रेजी विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
6. प्रो. एस. अरुलमोजी, विभागाध्यक्ष- भाषा संकाय एवं अनुवाद अध्ययन, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना
7. डॉ. पूर्णेन्दु देबनाथ, भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली
8. डॉ. पुष्पा अवस्थी, वैश्विक कवयित्री-साहित्यकार, नीदरलैंड
9. डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी, हिन्दी विभाग, कांग विश्वविद्यालय, पेइंग, चीन
10. प्रो. राकेश के. खंडल, निदेशक- तकनीकी एवं नवाचार प्रीमियर ग्रीन इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
11. डॉ. अजित सिंह सिकन, हिन्दी विभाग, जोहान गुटेन वर्ग विश्वविद्यालय माइंस, जर्मनी
12. डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष- हिन्दी विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड
13. प्रो. विपिन कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार
14. डॉ. योगेश दुबे, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
15. प्रो. राजेश वर्मा, अंग्रेजी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
16. डॉ. विवेक द्विवेदी, अंग्रेजी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

तकनीकी समिति

डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा, डॉ. पूजा अग्रवाल, श्री मुकेश, श्री प्रांजुल, श्री जितेंद्र, श्रीमती नीतू

कार्यक्रम स्थान

सेनानायक तात्या टोपे सीनेट हॉल एवं भाषा संकाय, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

समय- प्रातः 10:00 बजे से

नोट- कानपुर सेंट्रल (रेलवे स्टेशन) से विश्वविद्यालय पहुँचने के लिए, कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन से विश्वविद्यालय मेट्रो तक की दूरी 10 किमी है, जिसे आसानी से तय किया जा सकता है।

लोकेशन क्यू आर: सेनानायक तात्या टोपे सीनेट हॉलकानपुर ,छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ,

